

पञ्जाबी प्रभु. पञ्ज ८

फर्द अहकाम

जिसे बनाम २०३ दिने

यालय
या १२
१०/२५

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष
११ $\frac{३}{२५६}$	<p>पञ्जाबी प्रभुत / प्राणी अधिवक्ता उपस्थित / प्राणी को कर द्वारा नैरिस को मिल हेतु दिए गए परन्तु प्राणी तामीव करको में सम्मर्प रहे ना ही प्राणी ने तामीव सम्मर्प की जित पैरा की। ना ही ऐसा कर साथ पैरा किया। जिससे जाहिर हो कि नैरिस समाया पत्र के जारी करकोष या नही मतः पूर्व में भी सरत विधान दी गई थी फरदस्वरूप प्रा. पत्र ०१२५ के तहत खरिद किया जाता है। पञ्जाबी फौजदारी शुमात लेक हाविल फरद हो</p> <p style="text-align: right;">Bunzi</p>	

समायक कलकत्ता
जयपुर